



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

3 माघ 1945 (श०)

(सं० पटना 66) पटना, मंगलवार, 23 जनवरी 2024

श्रम संसाधन विभाग

अधिसूचना

22 जनवरी 2024

एस०ओ० 61, दिनांक 23 जनवरी 2024—चूँकि राज्य सरकार को यह समाधान हो गया है कि राज्य में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कामगारों एवं शिल्पकारों को, उनकी मृत्यु की स्थिति में अनुदान की राशि का भुगतान उनके वैध आश्रितों को और दुर्घटना के फलस्वरूप निःशक्तता, उपहति तथा असाध्य रोग की स्थिति में दुर्घटनाग्रस्त श्रमिकों के अनुदान की राशि का भुगतान करने हेतु प्रावधान को और अधिक स्पष्ट एवं सरलीकरण करना आवश्यक है; और चूँकि उक्त योजना की स्पष्टता एवं सरलीकरण के उद्देश्य से ‘बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011’ का संशोधन करना आवश्यक है;

इसलिए, अब लोकहित में, भारत के संविधान के अनुच्छेद 39 (ग) में अंतर्विष्ट उद्देश्य की प्राप्ति हेतु बिहार राज्यपाल एतद् द्वारा ‘बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011’ का संशोधन करते हैं :—

‘बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना 2024’

संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं आरंभ ।—

- (1) यह योजना बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना 2024 कही जा सकेगी।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।
- (3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

उक्त योजना 2011 की कड़िका 2(1)(क) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :—

“2 (1) (क) “दुर्घटना” से अभिप्रेत है वाह्य हिंसा के कारण दुर्घटना, जो दृश्यमान प्रकृति की हो और इसमें शामिल है :—

रेल अथवा सड़क दुर्घटना, विघुत स्पर्शधात, सर्प दंश, डूबना, अग्नि-जलन, पेड़ अथवा भवन से गिरना, जंगली जानवरों का आक्रमण, आतंकवादी अथवा आपराधिक आक्रमण आदि।

परंतु इसमें स्वेच्छा से लगाई गई चोट, आत्महत्या, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता एवं नशे के कारण हुए दुर्घटना, मृत्यु अथवा निःशक्तता शामिल नहीं की जाएगी।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 2(1) (च) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

(च) "आश्रित" से अभिप्रेत है -

- (1) पुरुष कामगार की मृत्यु की स्थिति में उसकी पत्नी
- (2) महिला कामगार की मृत्यु की स्थिति में उसका पति
- (3) अविवाहित पुरुष/महिला कामगार की मृत्यु की स्थिति में माता-पिता संयुक्त रूप से, माता या पिता दोनों में से कोई जो जीवित हो यदि उनमें से एक की मृत्यु हो गई हो।
- (4) विधवा या विधुर कामगार/शिल्पकार की मृत्यु की स्थिति में, उसके 25 वर्ष तक के आयु के पुत्रों, अविवाहित पुत्रियों तथा यदि कोई आश्रित विधवा पुत्री हो तो, को संयुक्त रूप से आश्रित माना जाएगा। यदि मृत कामगार के आश्रित पुत्र दिव्यांग हों तो उम्र का वर्जन नहीं होगा।
- (5) यदि मृत कामगार के आश्रित पति/पत्नी के आवेदन दिए जाने अथवा अनुदान के भुगतान के पूर्व यदि पुनः विवाह कर लिया जाता है तो ऐसी स्थिति में मृतक के 25 वर्ष तक आयु के पुत्रों एवं अविवाहित पुत्रियों को संयुक्त रूप से आश्रित माना जाएगा। पुरुष कामगार/शिल्पकार के मामले में, मृत्यु के समय यदि वे निःसंतान हो एवं उसकी पत्नी, आवेदन दिए जाने अथवा अनुदान राशि भुगतान के पूर्व, यदि पुनः विवाह कर लेती है तो ऐसी स्थिति में, मृतक के माता-पिता संयुक्त रूप से या माता अथवा पिता दोनों में से किसी एक की मृत्यु की स्थिति में माता अथवा पिता, जो जीवित हो, आश्रित माना जाएगा।
- (6) मृतक के पति-पत्नी/पुत्र-पुत्री/माता-पिता जीवित न हों तो मृतक के दादा-दादी को आश्रित माना जाएगा।

नोट - केवल संयुक्त आश्रितों की स्थिति में, अनुदान की राशि उसके सभी आश्रितों में समान अनुपात में वितरित की जाएगी।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 2(थ)के बाद निम्नलिखित उप कंडिकाएँ (द) एवं (ध) नियम जोड़ी जाएगी :-

- (द) "श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी" से अभिप्रेत है कि राज्य सरकार द्वारा अंचल में नियुक्त अथवा प्रभारी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी।
- (ध) "कार्यकारी निदेशक" से अभिप्रेत है कि बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति के अन्तर्गत कार्यकारी निदेशक।"

उक्त योजना 2011 की कंडिका 4 को निम्नलिखित के द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

"4" यह योजना उन सभी असंगठित कामगारों एवं शिल्पकारों पर लागू होगी जिनकी स्वभाविक या दुर्घटना मृत्यु की दशा में, मृतक की उम्र, मृत्यु की तिथि को, उम्र प्रमाण पत्र के आधार पर, 18 से 65 वर्ष के बीच हो, तथा निःशक्तता, चोट एवं असाध्य रोगों की स्थिति में आवेदक का उम्र आवेदन की तिथि को 18 से 65 वर्ष के बीच हो।

- (क) उम्र के प्रमाण स्वरूप निम्न दस्तावेज में से कोई एक प्रस्तुत किए जा सकते हैं:-
 - (i) जन्म एवं मृत्यु निबंधक द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र
 - (ii) मैट्रिक का मार्कशीट अथवा मूल प्रमाण पत्र जिसमें जन्मतिथि उल्लेखित हो,
 - (iii) आधार कार्ड,
 - (iv) ड्राइविंग लाइसेंस,
 - (v) मतदाता पहचान पत्र,
- (ख) यह योजना उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी -
 - (i) जो राज्य सरकार की किसी वैसी बीमा योजना से आच्छादित हैं जिनके लिए आंशिक अथवा पूर्ण अंशदान / प्रीमियम का भुगतान राज्य अथवा केन्द्र या दोनों सरकार करती है।
 - (ii) जो भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (सेवा शर्त) अधिनियम, 1996 एवं इसके अधीन बनाई गई नियमावली के अधीन मृत्यु/आवेदन की तिथि को सदस्य हों।
 - (iii) जिन्हें दुर्घटना मृत्युपरांत आपदा प्रबंधन विभाग से अनुदान प्राप्त किया हो।
 - (iv) असाध्य रोग के मामले में चिकित्सा लाभ उन कामगारों/शिल्पकारों को चिकित्सा लाभ देय नहीं होगा, जो आयुष्मान भारत योजना से आच्छादित हों।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 5 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

"5" वंशजों के आश्रित/आश्रितों का निर्धारण श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी से प्राप्त पारिवारिक सूची की सहायता से अधिसूचना में उल्लेखित आश्रित की परिभाषा के अनुसार किया जाएगा। आश्रितों के संबंध में किए गए निर्धारण पर यदि विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो कार्यकारी निदेशक के समक्ष अपील दायर किया जाएगा तथा उनका निर्णय अंतिम होगा।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(1) दुर्घटना के कारण कामगार या शिल्पकार की मृत्यु होने पर उनके विधिक आश्रितों को 2,00,000/- (दो लाख रुपए) का अनुदान का भुगतान किया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(2) कामगार या शिल्पकार की स्वाभाविक मृत्यु होने पर रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपए) का अनुदान उनके विधिक आश्रितों को भुगतान किया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(3) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(3) कामगार या शिल्पकार की पूर्ण स्थायी निःशक्तता की स्थिति में रुपये 1,00,000/- (एक लाख रुपए) के अनुदान का भुगतान किया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(4) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(4) कामगार या शिल्पकार की स्थायी आशिक निःशक्तता की स्थिति में रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपए) के अनुदान का भुगतान किया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(5) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- ‘6(5) छात्रवृत्ति के रूप में कामगार या शिल्पकार के अधिकतम दो बच्चों, जो राज्य के अंदर कक्षा 11वीं एवं 12 वीं में अध्ययनरत हों, को प्रति वर्ष रुपये 2,500/- (दो हजार पौँच सौ रुपए) की दर से एक मुश्त वार्षिक छात्रवृत्ति, राज्य के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्रा को प्रति वर्ष 5,000/- (पौँच हजार रुपए) की दर से एक मुश्त वार्षिक छात्रवृत्ति तथा राज्य के सरकारी पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत छात्र/छात्रा को प्रति वर्ष 10,000/- (दस हजार रुपए) की दर से एक मुश्त वार्षिक छात्रवृत्ति राशि दी जाएगी। यदि छात्र/छात्रा परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, तो अगले वर्ष उसे वित्तीय सहायता का भुगतान नहीं किया जाएगा।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(6) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(6) कामगार या शिल्पकार की दुर्घटना के फलस्वरूप चोट के लिए कम से कम पौँच दिनों तक अस्पताल में भर्ती होने पर उसे रुपये 10,000/- (दस हजार रुपए) की चिकित्सीय सहायता उसके इलाज और उससे संबंधित खर्च हेतु दिया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(7) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(7) इस योजना की अनुसूची-I में विहित असाध्य रोग से ग्रसित कामगार या शिल्पकार को चिकित्सा तथा सम्बद्ध खर्च हेतु अनुसूची में विहित दर रु0 15000/- से 60000/- भुगतान किया जाएगा ।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 6(8) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- 6(8) इस योजना के अधीन किये जाने वाले भुगतान NEFT/RTGS के माध्यम से लाभुकों के खाते में अंतरित किये जाएंगे ।’

उक्त योजना 2011 की कंडिका 7 (1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“7 (1) मृत्यु के मामले:-

- (क) स्वाभाविक मृत्यु और दुर्घटना के कारण मृत्यु होने की दशा में विहित प्रपत्र-1 में अनुदान की स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र मृत्यु की तिथि से दो वर्ष के अंदर संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा। ये आवेदन पत्र पर्याप्त संख्या में संबंधित कार्यालयों में रखे जाएंगे।

- (ख) प्रपत्र 1 अनुपलब्ध होने की स्थिति में सादा कागज पर आवेदन पत्र सभी आवश्यक कागजातों के साथ दिया जा सकेगा।

उक्त आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जाएंगे :-

- (i) मृतक के आश्रित/आश्रितों का आवासीय प्रमाण-पत्र ;

- (ii) अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत पारिवारिक सूची (आश्रित के निर्धारण के लिए) ;

- (iii) दुर्घटना मृत्यु की दशा में, राजकीय चिकित्सा पदाधिकारी से अन्यून पंक्ति के चिकित्सक द्वारा निर्गत शव-परीक्षण प्रतिवेदन (पोस्टमार्टम रिपोर्ट)। यदि शव-परीक्षण प्रतिवेदन चिकित्सीय रूप से संभव नहीं हो तो ऐसी स्थिति में मृतक का अन्वेषण प्रतिवेदन या पंचनामा ।

- (iv) दुर्घटना मृत्यु की दशा में, दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;

- (v) मृत्यु प्रमाण पत्र ;

- (vi) मृतक के उम्र का सबूत ;

- (vii) मृतक के कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न था, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;
- (viii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
- (ix) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्रमाणित प्रति

उक्त योजना 2011 की कंडिका 7 (2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“7 (2) निःशक्तता के मामले ।

- (क) पूर्ण स्थायी निःशक्तता एवं आंशिक निःशक्तता के मामले में अनुदान हेतु आवेदन प्रपत्र-2 में अनुदान की स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र दुर्घटना की तिथि से 05 वर्ष के अंदर संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा । ये आवेदन पत्र पर्याप्त संख्या में संबंधित कार्यालयों में रखे जाएंगे ।
- (ख) प्रपत्र 2 की अनुपलब्धता की स्थिति में आवेदन सादा कागज पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा ।
- (ग) संबंधित आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :-
- (i) आवेदक का आवासीय प्रमाण पत्र ;
- (ii) उम्र का सबूत ;
- (iii) एक स्वअभिप्रमाणित फोटोग्राफ जिसमें आवेदक द्वारा अपने निःशक्तता की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शायी गई हो;
- (iv) दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;
- (v) सरकारी अस्थि शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र;
- (vi) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत के वार्ड सदस्य/पंचायत के वार्ड पंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र;
- (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र ;
- (viii) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्रमाणित प्रति

उक्त योजना 2011 की कंडिका 7(3)(क) (ग) (घ) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

7(3) (क) छात्रवृत्ति हेतु आवेदन विहित प्रपत्र- 3 में प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग अपेक्षित दस्तावेजों के साथ छात्र/छात्रा के संबंधित कक्षा में पढ़ाई के दौरान उस जिले के श्रम अधीक्षक को दिया जाएगा, जिस जिले में कामगार या शिल्पकार स्थायी निवासी हों। ये आवेदन प्रपत्र जिला कार्यालयों में तथा विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध कराया जाएगा ।

7(3) (ग) श्रम अधीक्षक कामगार/शिल्पकार से प्राप्त आवेदन को जाँचोपरांत कि आवेदन सही है, कार्यकारी निदेशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, पटना को अग्रेषित एवं दावा अनुशंसित करेंगे ।

7(3) (घ) उक्त आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :-

- (i) माता अथवा पिता जो कामगार या शिल्पकार हों के उम्र का सबूत ;
- (ii) माता या पिता का आवासीय प्रमाण पत्र ;
- (iii) यथास्थिति संबंधित मुखिया/वार्ड सदस्य पंचायत/सदस्य पंचायत समिति/या संबंधित वार्ड पार्षद (शहरी क्षेत्र) द्वारा कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करते हुए, जिसमें आवेदक के माता—पिता लगे हुए हो, निर्गत प्रमाण पत्र;
- (iv) संबंधित मुखिया/वार्ड सदस्य पंचायत/सदस्य पंचायत समिति/या संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा अभिप्रमाणित माता—पिता का फोटो ; संस्थान के प्रधान द्वारा अभिप्रमाणित छात्र का फोटो
- (v) शिक्षण संस्थान के प्रधान द्वारा अभिप्रमाणित छात्र/छात्रा का फोटो सहित संस्थान में अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र
- (vi) शिक्षण संस्थान के प्रधान द्वारा संबंधित छात्र/छात्रा का राज्य या केन्द्र सरकार के किसी अन्य छात्रवृत्ति योजना से आच्छादित नहीं होने का प्रमाण पत्र

- (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
- (viii) संबंधित छात्र/छात्रा की बैंक खाता विवरणी की स्वअभिप्राणित प्रति
- (ix) कामगार/शिल्पकार एवं आवेदनकर्ता पुत्र/पुत्री का आधार कार्ड

उक्त योजना 2011 की कंडिका 7 (4) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“7(4) दुर्घटना के फलस्वरूप घायल होने के पश्चात् अस्पताल में भर्ती होने पर चिकित्सीय सहायता:-

- (क) किसी कामगार या शिल्पकार के दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने की दशा में चिकित्सीय सहायता अनुदान के लिए आवेदन दुर्घटना की तिथि से 01 वर्ष के अंदर विहित प्रपत्र-4 में संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा। ये आवेदन पत्र पर्याप्त संख्या में संबंधित कार्यालयों में रखे जाएंगे।
- (ख) प्रपत्र 4 की अनुपलब्धता की स्थिति में आवेदन सादा कागज पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा।
- (ग) निम्नलिखित दस्तावेज उक्त आवेदन के साथ संलग्न किए जाएंगे :-
 - (i) आवासीय प्रमाण पत्र ;
 - (ii) आवेदक की बीमारी की प्रकृति से संबंधित चिकित्सा प्रदान करने वाले सरकारी चिकित्सक अथवा राज्य सरकार के सरकारी अस्पताल या केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन संचालित किसी योजना से मान्यता प्राप्त अस्पताल का प्रमाण पत्र ;
 - (iii) दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;
 - (iv) उम्र का सबूत।
 - (v) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;
 - (vi) व्यक्ति का स्व अभिप्राणित ऐसा फोटोग्राफ जिससे उसकी चोट एवं अस्पताल में भर्ती होना परिलक्षित होता हो
 - (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
 - (viii) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्राणित प्रति

उक्त योजना 2011 की कंडिका 7 (5) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

7”(5) असाध्य बीमारी के मामले में चिकित्सीय सहायता:-

- (क) कामगार या शिल्पकार के असाध्य बीमारी की दशा में चिकित्सीय सहायता अनुदान हेतु प्रपत्र-5 में आवेदन संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/ जिला पदाधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा। ये आवेदन पत्र पर्याप्त संख्या में संबंधित कार्यालयों में रखे जाएंगे।
- (ख) प्रपत्र 5 की अनुपलब्धता की स्थिति में आवेदन सादा कागज पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा।
- (ग) निम्नलिखित दस्तावेज उक्त आवेदन के साथ संलग्न किए जाएंगे :-
 - (i) आवासीय प्रमाण पत्र ;
 - (ii) आवेदक की बीमारी की प्रकृति से संबंधित चिकित्सा प्रदान करने वाले सरकारी चिकित्सक अथवा राज्य सरकार के सरकारी अस्पताल या केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन संचालित किसी योजना से मान्यता प्राप्त अस्पताल का प्रमाण पत्र , जिसमें यह उल्लेखित है कि आवेदक आवेदन के समय संबंधित असाध्य बीमारी से ग्रसित है।
 - (iii) उम्र का सबूत ;
 - (iv) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/ सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र;
 - (v) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र;
 - (vi) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्राणित प्रति

उक्त योजना 2011 की कंडिका 8 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“८ श्रम अधीक्षक, सभी मामलों में आवेदन स्वयं प्राप्त होने या किसी अन्य कार्यालय से प्राप्त होने के तुरंत बाद संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी को आवेदन पत्र को जॉच-पड़ताल करने तथा समयबद्ध जॉच प्रतिवेदन देने हेतु प्रेषित करेंगे।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 9 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “९ (१) सभी मामलों में अनुदान हेतु आवेदन स्वयं या किसी अन्य कार्यालय से प्राप्त होने पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी तुरन्त उसकी जॉच-पड़ताल आरम्भ करेगा।
- (२) जॉच के क्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि मृतक अथवा निःशक्तता, चोट एवं असाध्य बीमारी की दशा में आवेदक कामगार या शिल्पकार था/है या नहीं। तदोपरांत मृत्यु अथवा निःशक्तता चोट का कारण, असाध्य रोग के मामले में बीमारी एवं उपचार की प्रकृति, मृतक/आवेदक की उम्र, मृतक के परिवार के सदस्य/वैध आश्रितों का सत्यापन तथा दावा संबंधित अन्य सभी मामलों की जॉच करेंगे तथा संलग्न प्रमाण पत्रों का मिलान मूल प्रमाण पत्र से करते हुए उसका सत्यापन करेंगे।
- (३) श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी मृत्यु या निःशक्तता के मामलों में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन की प्राप्ति के 21 कार्यदिवस के भीतर तथा चोट के पश्चात अस्पताल में भर्ती होने या असाध्य रोगों में चिकित्सीय सहायता के मामलों में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन प्राप्ति के 10 कार्यदिवस के भीतर जॉच-पड़ताल पूर्ण कर, बिना किसी विलम्ब के, जॉच-प्रतिवेदन अपने स्पष्ट मंतव्य/अनुशंसा के साथ श्रम अधीक्षक को प्रेषित करेंगे।

यदि कोई आवेदन पूर्ण रूप से भरे हुए नहीं है तो वांछित कागजातों की मांग संबंधित पदाधिकारी द्वारा आवेदन प्राप्ति के 07 कार्य दिवस के भीतर रजिस्टर्ड डाक द्वारा कर लिया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 10 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “१०(१) यदि श्रम अधीक्षक उचित समझें तो वे दावे की जॉच-पड़ताल स्वयं अथवा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के साथ टीम बनाकर कर सकते हैं। परन्तु उक्त जॉच-पड़ताल श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच-प्रतिवेदन की प्राप्ति के 21 कार्यदिवस के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।
- (२) यदि श्रम अधीक्षक, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा दिए गए जॉच-प्रतिवेदन से संतुष्ट हों तो जॉच प्रतिवेदन प्राप्त होने के 07 कार्यदिवस के भीतर दावे को स्वीकृत करते हुए बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति को स्वीकृत्यादेश/अधियाचना प्रेषित करेंगे।
- (३) श्रम अधीक्षक द्वारा दावे को अस्वीकृत किया जाता है तो अस्वीकृति के कारणों सहित सूचना बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति एवं दावेदार को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिया जाए।
- (४) श्रम अधीक्षक से प्राप्त सभी स्वीकृत्यादेश/अधियाचना में उल्लेखित राशि आवेदक के बैंक खाते में बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति द्वारा राशि का अंतरण NEFT/RTGS के माध्यम से सीधे लाभुक के खाते में 15 दिनों के अंदर (यदि राशि उपलब्ध हो तो) किया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 11 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “११. प्राप्त सभी प्रकार के आवेदनों की जॉच-पड़ताल और लिए गए निर्णय से संबंधित प्राप्त आवेदन पत्रों का अभिलेख जिला के श्रम कार्यालय में संधारित किया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 12 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “१२. श्रम अधीक्षक या कोई अन्य प्राधिकृत पदाधिकारी छात्रवृत्ति के अनुदान हेतु आवेदन की प्राप्ति के तुरंत बाद संबंधित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी को आवेदन पत्र को जॉच-पड़ताल करने तथा समयबद्ध जॉच प्रतिवेदन देने हेतु प्रेषित करेंगे। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वयं या किसी अन्य कार्यालय से प्राप्त होने पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी तुरन्त उसकी जॉच-पड़ताल आरम्भ करेंगे। जॉच के क्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि आवेदक कामगार या शिल्पकार था/है या नहीं। तदोपरांत दावा संबंधित अन्य सभी मामलों की जॉच करेंगे तथा संलग्न प्रमाण पत्रों का मिलान मूल प्रमाण पत्रों से करते हुए उनका सत्यापन करेंगे।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 13 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “१३. छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आवेदन की जॉच-पड़ताल श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा आवेदन प्राप्ति की तिथि से 14 दिनों के भीतर कर लिया जाएगा। यदि श्रम अधीक्षक, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा दिए गए जॉच-प्रतिवेदन से संतुष्ट हों तो जॉच प्रतिवेदन प्राप्त होने के 07 कार्यदिवस के भीतर दावे को स्वीकृत करते हुए कार्यकारी निर्देशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, बिहार, पटना को स्वीकृत्यादेश/अधियाचना प्रेषित करेंगे। यदि श्रम अधीक्षक उचित समझें तो वे दावे की जॉच-पड़ताल स्वयं अथवा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के साथ टीम बनाकर कर सकते हैं। परन्तु उक्त जॉच-पड़ताल श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच-प्रतिवेदन की प्राप्ति के 21 कार्यदिवस के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 14 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “14. श्रम अधीक्षक से प्राप्त सभी स्वीकृत्यादेश/अधियाचना में उल्लिखित संबंधित छात्र/छात्रा के बैंक खाते में बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति द्वारा राशि का अंतरण NEFT/RTGS के माध्यम से सीधे लाभुक के खाते में 15 दिनों के अंदर (यदि राशि उपलब्ध हो तो) किया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 15 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “15. जिलों से प्राप्त स्वीकृत्यादेश/अधियाचना पर लिये गये निर्णय का रिकार्ड समिति के कार्यालय द्वारा संधारित किए जाएंगे। ऑनलाइन व्यवस्था तैयार करने के पश्चात् भविष्य में ऑनलाइन संधारण किया जाएगा।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 16 को विलोपित किया जाता है।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 17 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “17. श्रम अधीक्षक आवश्यकतानुसार दावों को निष्पादन करने में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी से परामर्श कर सकेंगे। हालांकि इस प्रकार के परामर्श में अनावश्यक समय नहीं लगना चाहिए।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 18 को विलोपित किया जाता है।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 19 को विलोपित किया जाता है।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 20 को विलोपित किया जाता है।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 21 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “ 21. प्राप्त आवेदनों, की गई जॉच-पड़ताल एवं विनिश्चय का अभिलेख का संधारण जिला के श्रम कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 22 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “ 22. श्रम अधीक्षक द्वारा यदि किसी आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है तो उस निर्णय से व्यवित कोई व्यक्ति सहायक श्रमायुक्त के समक्ष आवेदन अस्वीकृत होने के 90 दिनों के भीतर अपील कर सकेगा जिसका विनिश्चय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। सहायक श्रमायुक्त ऐसे सभी अपील का निपटारा उनके दायर करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर कर देंगे।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 24 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

- “24. पूरी पारदर्शिता बरतने हेतु श्रम अधीक्षक या कार्याकारी निदेशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति द्वारा पारित सभी आदेश तथा लाभुकों की सूची आम जनता के सूचनार्थ यथानुसार संबंधित जिला, समिति या श्रम संसाधन विभाग, बिहार के वेबसाईट पर डाल दिया जाएगा।”

उक्त योजना 2011 की कंडिका 26(2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“26 (2) श्रम अधीक्षक जिला स्तर पर योजना के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए नोडल प्राधिकार होंगे।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 26(3) को विलोपित किया जाता है।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 27 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“27 यदि कामगार/शिल्पकार के पास अन्य बीमा पॉलिसी है, जिसके अंशदान/प्रीमियम का भुगतान लाभुक द्वारा स्वयं किया जाता है/था तो कामगार/शिल्पकार अथवा उसके आश्रितों को इस योजना का लाभ देने से इंकार नहीं किया जाएगा।

उक्त योजना 2011 की कंडिका 31 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :-

“31 बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011” के क्रियान्वयन के क्रम में, आवश्यकतानुसार, विभागीय मंत्री, श्रम संसाधन विभाग, बिहार की सहमति से किसी भी प्रकार का संशोधन करने के लिए बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सशक्त होगा। राज्य सरकार इस योजना में किसी अथवा सभी प्रावधानों को निरसन करने हेतु सशक्त होगी।”

शेष कंडिका पूर्ववत् रहेगी।

सं० श्रम क० स०-२९/२०१७-५४

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

आलोक कुमार,

विशेष सचिव।

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग

प्रपत्र- 1

बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) 2024 के अधीन स्वाभाविक मृत्यु/दुर्घटना मृत्यु के मामले में अनुदान प्राप्त करने हेतु दावा प्रपत्र ।

(भरे हुए आवेदन श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा*)

1. (क) मृतक का नाम
(ख) उम्र
(ग) कार्य का स्थान
(घ) कार्य की प्रकृति(नियोजन)
(ङ) मृतक का स्थायी पता
ग्राम/मुहल्ला—
पंचायत/वार्ड—
थाना—
जिला—
2. पोतो—
अंचल/प्रखण्ड—

2. मृत्यु की विवरणी :-

- (क) मृत्यु का प्रकार (स्वाभाविक/दुर्घटना)
(ख) मृत्यु की तिथि
(ग) समय पूर्वाह्न/अपराह्न
(घ) स्थान
(ङ) दुर्घटना का ब्योरा
3. मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले प्राधिकार का नाम एवं पदनाम –

4. पोस्टमार्टम प्रतिवेदन (यदि लागू हो) निर्गत करने वाले प्राधिकार का नाम एवं पदनाम –

5. दावेदारों का ब्योरा :- मृतक के आश्रित निम्नांकित है :-

आश्रित/दावेदार का नाम/पता	मृतक के साथ संबंध	आधार संख्या	बैंक का नाम/शाखा	बैंक खाता संख्या	आई.एफ.एस.सी.

6. संलग्न दस्तावेज :- (आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न रहेंगे) :-

- (i) मृतक के आश्रित/आश्रितों का आवासीय प्रमाण—पत्र ;
- (ii) अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत पारिवारिक सूची (आश्रित के निर्धारण के लिए) ;
- (iii) दुर्घटना मृत्यु की दशा में राजकीय चिकित्सा पदाधिकारी से अन्यून परिविक के चिकित्सक द्वारा निर्गत शव—परीक्षण प्रतिवेदन (पोस्टमार्टम रिपोर्ट)। यदि शव—परीक्षण प्रतिवेदन चिकित्सीय रूप से संभव नहीं हो तो ऐसी स्थिति में मृतक का अन्वेषण प्रतिवेदन या पंचनामा ।
- (iv) दुर्घटना मृत्यु की दशा में दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;
- (v) मृत्यु प्रमाण पत्र ;
- (vi) मृतक के उम्र का सबूत ;
- (vii) मृतक के कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न था, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;
- (viii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
- (ix) आवेदक की बैंक खाता विवरणी—स्वअभिप्राप्तिप्रति

स्वघोषणा

मैं /हम घोषणा करता/करती हूँ/ हूँ कि उपरोक्त सूचना मेरे/हमारे जानकारी के अनुसार सही है ।
 मैं / हम घोषणा करता हूँ/ हूँ कि दी गयी सूचना अगर गलत पाई जाती है, तो मेरा/हमलोगों का दावा अवैधानिक
 माना जाएगा और मैं/हम कानून के तहत अभियोजन के भागी होंगे ।

साक्षी

- | | |
|----------------|----|
| 1. नाम एवं पता | 1. |
| (क) | 2. |
| (ख) | 3. |

दावेदार का हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें।

पावती

* मैं पति/पत्नी स्व0 ग्राम/मुहल्ला—.....
 पंचायत/ वार्ड पो0—.....थाना—.....अंचल/प्रखण्ड.....
 जिला.....का आवेदन प्राप्त किया ।

प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग

प्रपत्र-2

बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) 2024 के अधीन पूर्ण स्थायी/आंशिक निःशक्तता के मामले में अनुदान प्राप्ति हेतु आवेदन प्रपत्र ।
(भरे हुए आवेदन श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा*)

1. (क) दावेदार का नाम —
 (ख) उम्र —
 (ग) कार्य का स्थान —
 (घ) कार्य की प्रकृति(नियोजन) —
 (ङ) पता — ग्राम/मुहल्ला—
 पंचायत/वार्ड — पो०—
 थाना— अंचल/प्रखण्ड—
 जिला—
2. दुर्घटना का विवरण :—
 (क) दुर्घटना की तिथि —
 (ख) समय — पूर्वाह्न/अपराह्न
 (ग) स्थान —
 (घ) दुर्घटना का समग्र विवरण —
3. निःशक्तता का विवरण
 (क) निःशक्तता का पूर्ण विवरण —
 (ख) निःशक्तता का प्रकार — पूर्ण स्थायी / आंशिक अपर्गता
4. निःशक्तता प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले प्राधिकार का नाम एवं पदनाम —
5. संलग्न दस्तावेज :— आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न रहेंगे :—
 (i) आवेदक का आवासीय प्रमाण पत्र ;
 (ii) उम्र का सबूत ;
 (iii) एक स्वअभिप्रामाणित फोटोग्राफ जिसमें आवेदक द्वारा अपने निःशक्तता की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शायी गई हो ।
 (iv) दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;
 (v) सरकारी अस्थि शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र
 (vi) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत के वार्ड सदस्य/पंचायत के वार्ड पंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;
 (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
 (viii) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्रामाणित प्रति

स्वघोषणा

मैं /हम घोषणा करता/करती हूँ/ हैं कि उपरोक्त सूचना मेरे/हमारे जानकारी के अनुसार सही है ।
 मैं / हम घोषणा करता हूँ/ हैं कि दी गयी सूचना अगर गलत पाई जाती है, तो मेरा/हमलोगों का दावा अवैधानिक
 माना जाएगा और मैं/हम कानून के तहत अभियोजन के भागी होंगे ।

साक्षी

2. नाम एवं पता 1.
 (क)
 (ख)
2.
 3.

दावेदार का हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें ।

पावती

* मैं पति/पत्नी..... स्व0 ग्राम/मुहल्ला—.....
 पंचायत/ वार्डपो0—.....थाना—.....अंचल/प्रखण्ड.....
 जिला.....का आवेदन प्राप्त किया ।

प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
प्रपत्र-3

बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) 2024 के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु प्रपत्र ।

(भरे हुए आवेदन श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा*)

1. छात्र/छात्रा का नाम
2. पिता/माता का नाम एवं उम्र
3. पिता / माता का पूरा पता
4. पिता/माता का व्यवसाय
5. भाई एवं बहन का नाम, अगर वे इस योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हों ।
-
6. संलग्न दस्तावेज(निम्नलिखित दस्तावेज इस आवेदन के साथ संलग्न रहेंगे) :-
 - (i) माता अथवा पिता जो कामगार या शिल्पकार हों के उम्र का सबूत ;
 - (ii) माता या पिता का आवासीय प्रमाण पत्र ;
 - (iii) यथास्थिति संबंधित मुखिया/वार्ड सदस्य पंचायत/सदस्य पंचायत समिति/या संबंधित वार्ड पार्षद (शहरी क्षेत्र) द्वारा कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करते हुए, जिसमें आवेदक के माता-पिता लगे हुए हों, निर्गत प्रमाण पत्र;
 - (iv) संबंधित मुखिया/वार्ड सदस्य पंचायत/सदस्य पंचायत समिति/या संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा अभिप्रमाणित माता-पिता का फोटो ;
संस्थान के प्रधान द्वारा अभिप्रमाणित छात्र का फोटो
 - (v) शिक्षण संस्थान के प्रधान द्वारा अभिप्रमाणित छात्र/छात्रा का फोटो सहित संस्थान में अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र
 - (vi) शिक्षण संस्थान के प्रधान द्वारा संबंधित छात्र/छात्रा का राज्य या केन्द्र सरकार के किसी अन्य छात्रवृत्ति योजना से आच्छादित नहीं होने का प्रमाण पत्र
 - (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
 - (viii) संबंधित छात्र/छात्रा की बैंक खाता विवरणी की स्वअभिप्रमाणित प्रति
 - (ix) कामगार/शिल्पकार एवं आवेदनकर्ता पुत्र/पुत्री का आधार कार्ड

स्वघोषणा

मैं /हम घोषणा करता/करती हूँ/ हूँ कि उपरोक्त सूचना मेरे/हमारे जानकारी के अनुसार सही है ।

मैं / हम घोषणा करता हूँ/ हूँ कि दी गयी सूचना अगर गलत पाई जाती है, तो मेरा/हमलोगों का दावा अवैधानिक माना जाएगा और मैं/हम कानून के तहत अभियोजन के भागी होंगे ।

साक्षी

- | | |
|----------------|----|
| 3. नाम एवं पता | 1. |
| (क) | 2. |
| (ख) | 3. |

छात्र/छात्रा के माता/पिता का हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें ।

**प्रधानाध्यापक/उच्च विद्यालय के प्राचार्य/इन्टरमीडिएट महा विद्यालय/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
/ पोलिटेक्निक —————— जिला—————**

यह प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर उल्लेखित आवेदक श्री / कुमारी.....पुत्र / पुत्री श्री
/ श्रीमती निवासी मेरे संस्थान से
वर्ग / व्यवसाय / अध्ययन का विषय के छात्र हैं। वे असंगठित क्षेत्र कामगार / शिल्पकार
के पुत्र / पुत्री हैं।

मैं बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011 के अधीन
छात्रवृत्ति अनुदान हेतु आवेदन की अनुशंसा करता हूँ।

स्थान
तिथि

प्रधानाध्यापक/प्राचार्य का नाम एवं हस्ताक्षर
(संस्थान का मुहर)
मो० नंबर:-

पावती

* मैं पति/पत्नी स्व० ग्राम/मुहल्ला—.....
पंचायत/ वार्ड पो०—.....थाना—.....अंचल/प्रखण्ड.....
जिला.....का आवेदन प्राप्त किया।

प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग

प्रपत्र-4

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना 2024 के अधीन दुर्घटना के फलस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने पर चिकित्सीय सहायता हेतु आवेदन (भरे हुए आवेदन श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा)

1. (क) दावेदार का नाम
 (ख) उम्र
 (ग) कार्य का स्थान
 (घ) कार्य की प्रकृति
 (ङ.) पता— गाँव/मुहल्ला
 पो.पंचायत/वार्ड.....
 थानाअंचल/प्रखंड.....
 जिला.....
2. दुर्घटना/अस्पतालीकरण का विवरण :
 (क) दुर्घटना की तिथि.....
 (ख) समयपूर्वाहन/अपराह्न
 (ग) स्थान
 (घ) दुर्घटना का विस्तृत व्योरा
 (ङ.) जिस अस्पताल में भर्ती हैं/थे, उसका नाम तथा पूर्ण पता
 (च) अस्पताल में भर्ती की तिथि
 (छ) अस्पताल से छुट्टी की तिथि
 (ज) अस्पताल में भर्ती रहने की पूरी अवधि
3. उपचार करने वाले चिकित्सक/ सर्जन का प्रमाण पत्र :
 प्रमाणित किया जाता है कि श्री पता
 दुर्घटना में घायल हुए थे एवं (अस्पताल का नाम) में मेरे उपचार में भर्ती हुए थे।
 वे दिनों तक अस्पताल में मेरे उपचार में भर्ती रहे। उन्हें लगी चोट का विवरण निम्नानुसार है :

4. दस्तावेज संलग्न : (आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न रहेंगे)—
 (i) आवासीय प्रमाण पत्र ;
 (ii) आवेदक की बीमारी की प्रकृति से संबंधित चिकित्सा प्रदान करने वाले सरकारी चिकित्सक अथवा राज्य सरकार के सरकारी अस्पताल या केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन संचालित किसी योजना से मान्यता प्राप्त अस्पताल का प्रमाण पत्र ;
 (iii) दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति अथवा यदि पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो तो संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के संबंध में दिया गया प्रमाण पत्र;
 (iv) उम्र का सबूत ।
 (v) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;

- (vi) व्यक्ति का स्व अभिप्राणित ऐसा फोटोग्राफ जिससे उसकी चोट एवं अस्पताल में भर्ती होना परिलक्षित होता हो।
- (vii) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र
- (viii) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्राणित प्रति

स्वघोषणा

मैं /हम घोषणा करता/करती हूँ/ हूँ कि उपरोक्त सूचना मेरे/हमारे जानकारी के अनुसार सही है ।
मैं / हम घोषणा करता हूँ/ हूँ कि दी गयी सूचना अगर गलत पाई जाती है, तो मेरा/हमलोगों का दावा अवैधानिक माना जाएगा और मैं/हम कानून के तहत अभियोजन के भागी होंगे ।

साक्षी

- | | |
|----------------|----|
| 4. नाम एवं पता | 1. |
| (क) | 2. |
| (ख) | 3. |

दावेदार का हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें ।

पावती

* मैं पति/पत्नी..... स्व0 ग्राम/मुहल्ला-.....
पंचायत/ वार्ड पो0-..... थाना-..... अंचल/प्रखण्ड.....
जिला..... का आवेदन प्राप्त किया ।

प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग

प्रपत्र-5

**बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना 2024 के
अधीन असाध्य रोगों में चिकित्सीय सहायता हेतु आवेदन
(भरे हुए आवेदन प्रखंड विकास पदाधिकारी/ श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी/ श्रम अधीक्षक/
जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा)**

1. (क) दावेदार का नाम
(ख) उम्र
(ग) कार्य का स्थान
(घ) कार्य की प्रकृति (नियोजन)
(ङ.) पता — गाँव/मुहल्ला
पो0पंचायत/वार्ड.....
थानाअंचल/प्रखंड.....
जिला.....
2. असाध्य रोग का विवरण :
3. उपचार करनेवाले अस्पताल/चिकित्सक का नाम एवं पता(यदि लागू हो)
4. दस्तावेज संलग्न : (इस आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न रहेंगे)-
 - (i) आवासीय प्रमाण पत्र ;
 - (ii) आवेदक की बीमारी की प्रकृति से संबंधित चिकित्सा प्रदान करने वाले सरकारी चिकित्सक अथवा राज्य सरकार के सरकारी अस्पताल या केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन संचालित किसी योजना से मान्यता प्राप्त अस्पताल का प्रमाण पत्र , जिसमें यह उल्लेखित है कि आवेदक आवेदन के समय संबंधित असाध्य बीमारी से ग्रसित है।
 - (iii) उम्र का सबूत ;
 - (iv) कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न है, यथास्थिति, संबंधित मुखिया/सरपंच/पंचायत समिति के सदस्य/जिला पार्षद के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र;
 - (v) आवेदक की श्रेणी(सामान्य/अनु० जाति/अनु० जन जाति)का स्व घोषणा पत्र;
 - (vi) आवेदक की बैंक खाता विवरणी की स्व अभिप्रमाणित प्रति

स्वघोषणा

मैं /हम घोषणा करता/करती हूँ/ हूँ कि उपरोक्त सूचना मेरे/हमारे जानकारी के अनुसार सही है ।
मैं / हम घोषणा करता हूँ/ हूँ कि दी गयी सूचना अगर गलत पाई जाती है, तो मेरा/हमलोगों का दावा अवैधानिक माना जाएगा और मैं/हम कानून के तहत अभियोजन के भागी होंगे ।

साक्षी

5. नाम एवं पता
 - 1.
 - 2.
 - 3.

दावेदार का हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें ।

पावती

* मैं पति/पत्नी स्व0 ग्राम/मुहल्ला—.....
पंचायत/ वार्डपो0—.....थाना—.....अंचल/प्रखण्ड.....
जिला.....का आवेदन प्राप्त किया ।

प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर
आलोक कुमार,
विशेष साचिव ।

असाध्य रोग अनुसूची-1

बीमारी का नाम	उपचार की प्रकृति	चिकित्सकीय सहायता की राशि
कैंसर	शल्य चिकित्सा(शल्य क्रिया के साथ)	50000
	बगैर शल्य चिकित्सा(बिना शल्य क्रिया)	30000
हृदय रोग	डी.भी.आर.(डबल भाल्ब रिप्लेसमेंट)	60000
	एम.भी.आर.(मित्राल भाल्ब रिप्लेसमेंट)	50000
	पेस मेकर	50000
	स्टेनोसिस / बैलून भाल्भोटोमी	30000
	सी.ए.बी.जी. (कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्ट)	50000
	पी.टी.सी.ए. परक्युटिनियस ट्रांसलुमिनियस कोरोनरी एंजियो प्लास्टी	50000
	ए .एस.डी.(एट्रियल सेप्टल डिपफेक्टस) / भी.एस.डी.	30000
रिनल(किडनी) बीमारी	शल्य चिकित्सा (शल्य क्रिया के साथ)	60000
ब्रेन ट्यूर	लघु शल्य क्रिया	20000
	बृहद	40000
एड्स	मेडिकल एटेंडेंट के निर्णय के अनुरूप	50000
पूर्ण कुल्हा एवं घुटना बदलना	शल्य क्रिया द्वारा	20000
वृहत् भस्कुलर शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	20000
बोन मेरो ट्रांसप्लाटेशन	शल्य क्रिया द्वारा	20000
स्पाइनल शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	15000

आलोक कुमार,
विशेष सचिव।

22 जनवरी 2024

एस0 ओ0 61 दिनांक 23 जनवरी 2024 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्य के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

सं० संख्या—श्रम क० स०—२९/२०१७—५४

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

आलोक कुमार,
विशेष सचिव।

Department of Labour Resources

NOTIFICATION *The 22nd January 2024*

S.O. 61 dated 23rd January 2024—Whereas the State Government is satisfied that it is necessary to make more clear and simplify the provisions of the grant to unorganised sector workers and artisans, working in the State, in case of their death, disabilities and injuries arising on account of accidents and serious ailments: and

Whereas to achieve the aforesaid objectives, it is necessary to amend the" Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011":

Now, therefore, in public interest and in order to achieve the objectives as contained in Article 39(c) of the Constitution of India, the Governor of Bihar hereby amends the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011:-

"Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security (Amendment) Scheme 2024"

Short title, extent & commencement.—

- (1) This scheme may be called the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security (Amendment) Scheme 2024.
- (2) It shall extend to the whole of the State of Bihar.
- (3) It shall come into force from the date of publication in gazette.

Para 2(1)(a) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- (a) “Accident” means accident caused by external violence which is apparent in nature and shall include-

Train or road accident, electric shock, snake-bite, drowning, fire burn, falling from tree or building, attack by wild animals, terrorist or criminal attack etc.

Provided that, it shall not include self inflicted injury or suicide or accident caused under inebriated condition or death or disability suffered while committing criminal offences;

Para 2(1) (f) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-**2(1) (f) "Dependents" means:-**

- (1) Widow of the deceased worker:
- (2) Husband in case of deceased woman worker:
- (3) In case of unmarried deceased woman worker father & mother jointly or any of the both mother or father who is alive, if one of them is dead.
- (4) In case of death of widow or widower worker/artisan, sons upto 25 yrs of age, unmarried daughters or widow daughter(if any) shall be considered as joint dependents . There will be age-bar if the son of the deceased worker is disabled.
- (5) If the dependent husband/wife of the deceased worker/artisan remarries before submission of application or payment of grant in such cases sons upto 25 yrs of age and unmarried daughter of deceased will be jointly considered as dependents. In case of male workmen/artisans, if they have no infant at the time of death and if the wife in such cases, marries before the submission of application or payment of grant, father and mother of the deceased jointly or in case of death of any of both, anyone will be considered as dependent, who is alive.

Note:- Amount of the grant will be equally distributed among all the dependents in case of Joint dependents only.

- (6) If the spouse / son/ daughter/ parents of the deceased are not alive, the grand parents of the deceased will be considered as dependent. "

Following Paras (r) and (s) shall be added after Para 2(q) of the said Scheme, 2011:-

- (r) "***Labour Enforcement Officer***" mean Labour Enforcement Officer appointed by the State Governement or in charge of the Circle.
- (s) "***Executive Director***" means Executive Director under the Bihar State Labour Welfare Society. "

Para 4 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:

- "4. This scheme shall apply to all such workers and artisans of unorganised sector in case of natural or accidental death, age of the deceased on the date of death should be between 18 to 65 years according to age certificate, and in

case of disability, injuries and serious ailments, the age of the applicant should be between 18 to 65 on the date of application.

- (a) Any of the following documents may be produced as age certificate:-
 - (i) Certificate issued by Birth/Death Registrar.
 - (ii) Marksheets of Matric or Original Certificates in which date of birth is mentioned.
 - (iii) AADHAAR Card
 - (iv) Driving License
 - (v) Voter Identity Card
- (b) This scheme shall not apply to the persons who are-
 - (i) covered under any such insurance scheme, Partly or fully funded by State Government, Central Government or both the Governments;
 - (ii) not the members of the board which is formed as per the provisions laid down under the Building and Other Construction Workers(Regulation of Employment and conditions of Services Act, 1996 & Rules on the date of death/submission of application;
 - (iii) Received the grant by Disaster Management department after accidental death."
 - (iv) Medical benefits in case of incurable disease will not be payable to those workers/ artisans who are covered under Ayushman Bharat scheme. "

Para 5 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 5. Dependent/dependents of descendants will be determined by the Labour Enforcement officer as per the definition of dependent mentioned in the notification with the help of the family list received from the circle officer. If a dispute arises in the determination of dependents, an appeal shall be filed before the Executive Director and his/her decision will be final. "

Para 6(1) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(1) In case of accidental death of a worker or artisan, a grant of Rs. 2,00,000/- (Two Lakh) shall be paid to his/her legal dependents.

Para 6(2) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(2) In case of natural death of worker or artisan, a grant of Rs. 50,000 (Fifty Thousand) shall be paid to his/her dependents.

Para 6(3) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(3) In case of Permanent total disability of a worker or artisan, a grant of Rs. 1,00,000/- (One Lakh) shall be paid to him/her.

Para 6(4) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(4) In case of Permanent partial disability of a worker or artisan, a grant of Rs. 50,000/- (Fifty Thousand) shall be paid to him/her.

Para 6(5) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- "6(5) An amount of Rs. 2,500/- (Two Thousand Five Hundred) per year in one time yearly instalment to maximum of two children of worker or artisan studying in class 11th& 12th in the State of Bihar, Rs. 5,000/- (Five Thousand) per year in one time yearly instalment to the students studying in Government Industrial Technical Institute in the State of Bihar and Rs. 10,000/- (Ten Thousand) per year in one time yearly instalment to the students studying in Government Polytechnic in the State of Bihar shall be

paid as scholarship. If the student fails in an examination, the financial assistance shall not be paid next year."

Para 6(6) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(6) A worker or artisan injured due to an accident causing his hospitalization for a minimum period of five days shall be paid a medical assistance of Rs. 10,000/- (Ten Thousand) to take care of his medical and other related expenses."

Para 6(7) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- 6(7) A worker or artisan suffering from incurable disease as prescribed in Schedule -I of this scheme shall be paid medical assistance to take care of his medical and related expense at the rate of 15000/- to 60,000/- as prescribed in the said schedule."

Para 6(8) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- "6 (8) Payments under the scheme shall be made by way of NEFT/RTGS into the account of beneficiaries by way of NEFT/RTGS."

Para 7(1) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"7 (1) Death Cases-

- (a) Application for grant in case of natural and accidental death shall be submitted within a period of two years from the date of such occurrence in Form 1 to the concerned Labour Enforcement Officer/ Block Development Officer/ Labour Superintendent/ District Magistrate. These forms shall be kept in appropriate number in the concerned offices.
- (b) In case of non-availability of the Form 1, application may be given on plain paper with all necessary documents.
- (c) Following documents shall be attached with the aforesaid application:
 - (i) Residential certificate of the deceased/dependents.
 - (ii) List of family of the deceased issued by Circle Officer (For determination of dependent(s))
 - (iii) In case of accidental death, a Post Mortem Report by a doctor not below the rank of a Government Medical Officer. If postmortem report is medically not possible, Inquest report or Panchnama of the deceased.
 - (iv) In case of accidental death, a copy of information given in the concerned police station regarding accident or certificate of Mukhiya/Sarpunch/Member of Panchyat Samiti/Member of Zila Parishad/Ward Counsiler of urban area regarding the accident, if information to Police Station is not required under the law.
 - (v) Death Certificate;
 - (vi) Proof of age of deceased;
 - (vii) Certificate issued by concerned Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad / Ward Councilor of urban area specifying the nature of work in which the deceased was engaged;
 - (viii) Self-declaration of Category by applicant(General/SC/ST);
 - (ix) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Para 7(2) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"7 (2) Disability Cases-

- (a) Application for grant in case of permanent total disability or partial disability shall be given within a period of five year from the date of such occurrence in Form-2 to the concerned Labour Enforcement Officer/Block Development Officer/Labour Superintendent/District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers at all concerned offices.
- (b) In case of non-availability of Form-2 application may be given on plain papers with all necessary documents.
- (c) Following documents shall be attached with the aforesaid application:-
 - (i) Residential certificate of applicant;
 - (ii) Proof of Age;
 - (iii) A self attested photograph of applicant showing condition of disability;
 - (iv) A copy of information given in the concerned police station regarding accident or certificate of Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area if information to police station is not required under the law;
 - (v) Disability certificate issued by a Government Orthopedic Surgeon:
 - (vi) Certificate issued by Mukhiya/Sarpanch/Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in;
 - (vii) Self-declaration of Category by applicant(General/SC/ST);;
 - (viii) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Para 7(3) (a)(c)(d)of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

" 7 (3) (a)

Application for scholarship in the prescribed Form 3 along with required documents separately for each class will be submitted to the Labour Superintendent of the district in which the worker or artisan is a permanent resident during the Student[s] study in the respective class. The application form will be made available in the district offices and on the departmental website.

7 (3) (c)

"Labour Superintendent shall, after checking that the application is in order, forward and recommend the claim to the Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society, Patna."

7 (3) (d)

"The following documents shall be attached with the aforesaid application –

- (i) Proof of age of the parent who is a worker or artisan.
- (ii) Residential Certificate of the parent.
- (iii) Certificate issued by the concerned Mukhiya/Ward Member of the Panchayat/ Member of the Panchayat Samiti or the concerned Ward Councillor (Urban area), as the case may be, specifying the nature of work, the parent of the applicant is engaged in.

- (iv) Photograph of the parent attested by the concerned Mukhiya/Ward Member of the Panchyat/ Member of the Panchyat Samiti or the concerned Ward Councillor (Urban area),as the case may be.
- (v) Certificate with photograph of student issued by the Head of the Educational Institution, where the student is studying.
- (vi) Certificate issued by the Head of the Educational Institution that the concerned student is not covered under any other scholarship scheme of State or Central Government.
- (vii) Self-declaration of Category by the applicant.
- (viii) Self attested copy of details of Bank account of applicant;
- (ix) Aadhaar card of worker/artisan and the children of applicant.

Para 7(4) of the said Scheme 2011 shall be substituted by the following:-

"7 (4) Medical Assistance in case of hospitalization after injury :-

- (a) Application for grant of medical assistance in case of a worker or artisan suffers injury in an accident causing hospitalization shall be submitted within a period of one year, in Form-4 to the concerned Labour Enforcement Officer/Block Development Officer/Labour Superintendent/District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers in all concerned offices.
- (b) In case of non-availability of Form-4, application may be given on plain papers with all necessary documents.
- (c) Following documents shall be attached with the aforesaid application:-
 - (i) Residential certificate of applicant.
 - (ii) Certificate regarding nature of disease issued by Government Doctor, who is providing the medical treatment or certificate issued by State Government hospital or hospital recognised under any scheme of Centre or State Governement.
 - (iii) Copy of information given in the concerned police station regarding the accident or certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area, as the case may be regarding the accident if information to police station is not required under law.
 - (iv) Proof of Age.
 - (v) Certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.
 - (vi) A self attested photograph of the person showing his/her injury and hospitalization.
 - (vii) Self-declaration of Category by applicant (General/SC/ST);
 - (viii) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Para 7(5) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"7(5) Medical Assistance in case of incurable disease:-

- (a) In case of incurable disease of a worker or artisan application for grant of medical assistance shall be submitted in Form-5 to the concerned Labour Enforcement Officer/Block Development Officer/Labour

- Superintendent/District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers in all concerned offices.
- (b) In case of non-availability of form-5, application may be given on plain papers with all necessary documents.
- (c) Following documents shall be attached with the aforesaid application:-
- (i) Residential certificate;
 - (ii) Certificate regarding nature of disease issued by government Doctor, who is treating the worker/artisans or certificate issued by State Government hospital or hospital recognised under any scheme of Centre or State Government. In which it mentioned that the applicant is suffering from a related incurable disease at the time of application.
 - (iii) Proof of Age;
 - (iv) Certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.
 - (v) Self-declaration of Category by applicant(General/SC/ST);
 - (vi) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Para 8 of the said Scheme 2011 shall be substituted by the following:-

"8. Labour Superintendent immediately after receiving any application by concerned labour either in office or from other source will send to the concerned Labour Enforcement Officer for enquiry and time-bond report. "

Para 9 of the said Scheme 2011 shall be substituted by the following:-

- " 9. (1) On receipt of the application directly from applicant or from any other office, as the case may be, the Labour Enforcement Officer will immediately proceed for enquiry.
- (2) While making the enquiry, the LEO will ascertain whether the deceased or applicant in case of disability, injury and incurable disease was/is a worker or artisan. Then he will ascertain the cause of death or disability, injury, nature of ailment and treatment, age of deceased/applicant, verification of members/legal dependents of the deceased and enquire into the claim and will also verify the attached documents with original ones.
- (3) Such enquiry reports will be processed by Labour Enforcement Officer within a period of 21 working days in case of death or disability after receiving completely filled-up application, whereas a period of ten working days is fixed for processing the application in case of admission in hospital after injury or medical treatment for incurable disease. The reports will be sent to Labour Superintendent with clear remarks/recommendation.

If the application is not completely filled-up, concerned officer will ask for necessary documents from the applicant within seven working days from the date of receipt of application by registered post. "

Para 10 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 10. (1) If the Labour Superintendent deems fit, he may enquire the claim either by himself or by a team with Labour Enforcement Officer but this will be completed within twenty one working days from the date of receipt of the said report of Labour Enforcement Officer.

- (2) If Labour Superintendent is satisfied with the enquiry report of Labour Enforcement Officer he will send the sanction order/requisition to Bihar State Labour Welfare Society within 07 working days from receipt of the such enquiry report.
- (3) In case, the claim is rejected by Labour Superintendent information to this effect with all reasons shall be sent to Bihar State Labour Welfare Society and claimant by registered post.
- (4) The amount of sanctioned order/requisition from Labour Superintendent (if fund is available) will be transferred in the account of beneficiary directly through RTGS/NEFT by Bihar State Labour Welfare Society. "

Para 11 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 11. All records related to record of applications received/enquired and decisions taken shall be duly maintained in the Labour Office of the District. "

Para 12 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 12 Labour Superintendent or any other authorised officers shall, immediately after receipt of an application for grant of scholarship, send the application to concerned Labour Enforcement Officer for enquiry and submission of time-bound enquiry report. The Labour Enforcement Officer shall, immediately after receiving the application for scholarship from any office, start the enquiry. The Labour Enforcement Officer shall, during enquiry, ascertain that whether the applicant is /was a worker or not. Then, enquiry shall be done on all the issues concerned with the claim and shall certify the attached certificates by verifying them with the original one's. "

Para 13 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 13 The enquiry of the application for scholarship shall be completed within a period of 14 days of receipt of application. If the Labour Superintendent is satisfied with the enquiry report of Labour Enforcement Officer, he shall, after accepting the claim within a period of 7 working days of receipt of enquiry report, send the sanction order/requisition to Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society, Bihar, Patna. If the Labour Superintendent thinks fit, he may make self-enquiry or with a team of Labour Enforcement Officers. But this enquiry must be completed in a period of 21 working days of the receipt of enquiry report from Labour Enforcement Officer."

Para 14 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 14 The amount of scholarship if the fund is available shall be credited through NEFT/RTGS in the account of the student described in the sanction order/requisition of Labour Superintendent within 15 days ."

Para 15 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 15. The records of decisions taken on approval orders/ requisitions received from the districts will be maintained by the office of the committee. Online maintenance will be done in future after preparing online system. "

Para 16 of the said Scheme, 2011 is deleted:-

Para 17 of the Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

- " 17. Labour Superintendent will be able to consult the Chief Medical Officer in processing the claim as per requirement. However, this type of consultation should not take unnecessary. "

Para 18 of the said Scheme, 2011 is deleted:-

Para 19 of the said Scheme, 2011 is deleted:-

Para 20 of the said Scheme, 2011 is deleted:-

Para 21 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"21. Maintenance of records of application received, investigation done and decisions taken will be done by the district Labour Office. "

Para 22 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

" 22. A person aggrieved by any order of the Labour Superintendent shall make an appeal before the Assistant Labour Commissioner within 90 days from the date of rejection of application, whose decision shall be final and finding. The Assistant Labour Commissioner shall dispose of all such appeals within 30 days of its filing. "

Para 24 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"24. As a means to maintain transparency, all orders passed by Labour Superintendent or the Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society and the list of beneficiaries shall be brought in public domain by uploading the orders and list of beneficiaries on the website of the concerned district or Bihar State Labour Welfare Society, Labour Resources Department, Bihar."

Para 26(2) of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

"26 (2) Labour Superintendent shall be the nodal authority for implementing and monitoring the scheme at the district level. "

Para 26(3) of the said Scheme, 2011 is deleted:-

Para 27 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

" 27. If a worker/artisan has any other insurance policy and the premium is/was paid by himself/herself or his dependent(s), he/she shall not be denied benefits under this scheme. "

Para 31 of the said Scheme, 2011 shall be substituted by the following:-

" 31. In process of execution of Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011, the Bihar State Labour Welfare Society, Labour Resources Department, Bihar will be empowered to amend any provision of the scheme (if required) with consent of the Departmental Minister, Labour Resources Department, Bihar. The State Government will be empowered to repeal any or all provisions of this scheme. "

No- श्रम को सं-29 / 2017-54

By Order of the Governor of Bihar

ALOK KUMAR,

Special Secretary to the Government of Bihar.

**Government of Bihar
Department of Labour Resources
Form-1**

**Claim Form for receipt of grant in the cases of Natural Death/Accidental Death under
Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security
(Amendment)Scheme, 2024**

(Filled up Application to be submitted to LEO/B.D.O/Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of deceased _____
- (b) Age _____
- (c) Place of work _____
- (d) Nature of work _____
- (e) Address- Village/Mohalla _____
 Panchayat/Ward _____ PO _____
 P.S _____ Anchal/Block _____
 District _____

2. Statement of Death:

- (a) Kind of Death (Natural/Accidental) _____
- (b) Date of Accident _____
- (c) Time _____ A.M./P.M.
- (d) Place _____
- (e) Details of Accident. _____

3. Name and Designation of Authority issuing Death Certificate

4. Name & Designation of Authority issuing Post Mortem Report (if applicable)

5. Details of claimants :- The dependent(s) of the deceased is/are as follows-

Name & Address of Claimant	Relation with deceased	Aadhar No	Name & Branch of the Bank	Bank Account No	IFSC

6. Documents Enclosed: (The following documents shall be attached with this application)

- (i) Residential certificate of the deceased/dependents.
- (ii) List of family of deceased issued by Circle Officer(For determination of dependent(s))
- (iii) In case of accidental death, a Post Mortem Report by a doctor not below the rank of a Government Medical Officer. If postmortem report is medically not possible, Inquest report or Panchnama of the deceased.
- (iv) In case of accidental death, a copy of information given in the concerned police station regarding accident or certificate of Mukhiya/Sarpunch/Member of Panchyat Samiti/Member of Zila Parishad/Ward Counsiler of urban area regarding the accident, if information to Police Station is not required under the law.
- (v) Death Certificate
- (vi) Proof of age of deceased

-
- (vii) Certificate issued by concerned Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad / Ward Councilor of urban area specifying the nature of work in which the deceased was engaged.
 - (viii) Self-declaration of Category by applicant(General/SC/ST)
 - (ix) Self Attested copy of Details of Bank account of applicant

Self Declaration

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.
I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

- (a)
- (b)

1-
2-
3-

Signature of Claimant(s)

Strike off if not applicable

Acknowledgement

I.....W/O or H/O.....Late.....
Vill/Mohalla..... Panchayat/Ward..... PO..... Thana.....
Anchal/Block..... Dist..... received the application.

Siganture of receiver

**Government of Bihar
Department of Labour Resources
Form-2**

**Claim Form for receipt of grant in the cases of Total permanent/partial disability
under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security
(Amendment) Scheme, 2024**

(Filled up Application to be submitted to LEO/B.D.O/Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant _____
- (b) Age _____
- (c) Place of work _____
- (d) Nature of work _____
- (e) Address- Village/Mohalla
 Panchayat/Ward _____ PO _____
 P.S _____ Anchal/Block _____
 District _____.

2. Statement of Accident:

- (a) Date of Accident _____
- (b) Time _____ A.M./P.M.
- (c) Place _____
- (d) Details of Accident. _____

3. Statement of Disability:

- (a) Details of disability _____
- (b) Type of disability: Total permanent/partial disability

4. Name and Designation of the Authority issuing Disability Certificate:

5. Documents Enclosed: (The following documents in respect of the claimant shall be attached with this application)

- (i) Residential certificate of applicant.
- (ii) Proof of Age.
- (iii) A self attested photograph of applicant showing condition of disability
- (iv) A copy of information given in the concerned police station regarding accident or certificate of Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area if information to police station is not required under the law.
- (v) Disability certificate issued by a Government Orthopedic Surgeon.
- (vi) Certificate issued by Mukhiya/Sarpanch/Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.
- (vii) Self declaration of Category of applicant (General/SC/ST).
- (viii) Self Attested copy of Details of Bank account of applicant.

Self Declaration

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.
I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

(a)

1-

(b)

2-

3-

Signature of Claimant(s)

Strike off if not applicable

Acknowledgement

I.....W/O or H/O.....Late.....
Vill/Mohalla..... Panchayat/Ward..... PO..... Thana.....
Anchal/Block..... Dist..... received the application.

Siganture of receiver

**Government of Bihar
Department of Labour Resources
Form-3**

Form for receipt of Scholarship under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security (Amendment)Scheme, 2024

(Filled up Application to be submitted to LEO/B.D.O/Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. Name of Boy/Girl Student _____
2. Name & Age of Father/Mother _____
3. Full Address of Father/Mother _____
4. Occupation of Father/Mother _____
5. Name of brothers/Sisters, if any, getting scholarship under this scheme _____
6. Document enclosed-(The following documents shall be attached with the aforesaid application)
 - (i) Proof of age of the parent who is a worker or artisan
 - (ii) Residential Certificate of the parent.
 - (iii) Certificate issued by the concerned Mukhiya/Ward Member of the Panchayat/ Member of the Panchayat Samiti or the concerned Ward Councillor (Urban area), as the case may be, specifying the nature of work, the parent of the applicant is engaged in.
 - (iv) Photograph of the parent attested by the concerned Mukhiya/Ward Member of the Panchayat/ Member of the Panchayat Samiti or the concerned Ward Councillor (Urban area),as the case may be.
 - (v) Certificate with photograph of student issued by the Head of the Educational Institution, where the student is studying.
 - (vi) Certificate issued by the Head of the Educational Institution that the concerned student is not covered under any other scholarship scheme of State or Central Government.
 - (vii) Self-declaration of Category by the applicant.
 - (viii)Self attested copy of details of Bank account of applicant;
 - (ix) Aadhaar card of worker/artisan and the children of applicant.

Self Declaration

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.

I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

- (a)
(b)

1-
2-
3-

Signature of Student's Mother/Father

Strike off if not applicable

**Office of the Head Master/Principal of High School/Intermediate College/ Industrial Training
Institute/Polytechnic _____ District _____**

This is certified that the above mentioned applicant Shri/Kumari _____ s/d/o Shri/Smt _____ r/o _____ is a student of class/trade/discipline _____ of my institution. I have verified from the certificates furnished by him that he/she is son/daughter of an unorganized sector worker/artisan. The particulars furnished by him/her are true to the best of my knowledge.

I recommend and forward this application for grant of scholarship to him/her as per existing provisions made under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011.

**Name and signature of the Head Master/Principal
(Stamp Of Institution)**

Date:

Place:

Mobile No.:-

Acknowledgement

I..... W/O or H/O..... Late.....
 Vill/Mohalla..... Panchayat/Ward..... PO..... Thana.....
 Anchal/Block..... Dist..... received the application.

Siganture of receiver

**Government of Bihar
Department of Labour Resources
Form-4**

**Application for Medical Assistance in the cases of hospitalization after injury under
Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security
(Amendment) Scheme, 2024**

(Filled up Application to be submitted to LEO/B.D.O/Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant _____
 (b) Age _____
 (c) Place of work _____
 (d) Nature of work _____
 (e) Address- Village/Mohalla
 PO _____
 P.S _____
 District _____
- Panchayat/Ward _____
 Anchal/Block _____

2. Statement of Accident/hospitalization:
 (a) Date of Accident _____
 (b) Time _____ A.M./P.M.
 (c) Place _____
 (d) Details of Accident. _____
 (e) Name and full address of the hospital where admitted for treatment

 (e) Date of admission in the hospital _____
 (f) Date of discharge from the hospital _____
 (g) Total period of hospitalization _____

3. Certificate of the attending physician/surgeon:

This is to certify that Shri _____ Address _____ was injured in an accident and was admitted in the hospital _____ (name of the hospital) under my treatment. He remained under treatment in the hospital for _____ days. Details of his injuries are as below:

4. Documents Enclosed: (The following documents shall be attached with this application)
 - (i) Residential certificate of applicant.
 - (ii) Certificate regarding nature of disease issued by Government Doctor, who is providing the medical treatment or certificate issued by State Government hospital or hospital recognised under any scheme of Centre or State Government.
 - (iii) Copy of information given in the concerned police station regarding the accident or certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area, as the case may be regarding the accident if information to police station is not required under law.
 - (iv) Proof of Age.
 - (v) Certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.
 - (vi) A self attested photograph of the person showing his/her injury and hospitalization.
 - (vii) Self declaration of Category of applicant(General/SC/ST).
 - (viii) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Self Declaration

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.

I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

(a)

1-

(b)

2-

3-

Signature of Claimant(s)

Strike off if not applicable

Acknowledgement

I.....W/O or H/O.....Late.....

Vill/Mohalla..... Panchayat/Ward..... PO..... Thana.....

Anchal/Block..... Dist..... received the application.

Signature of receiver

**Government of Bihar
Department of Labour Resources
Form-5**

**Application for Medical Assistance in the cases of Incurable Diseases under Bihar
Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security (Amendment)
Scheme, 2024**

(Filled up Application to be submitted to LEO/B.D.O/Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant _____

(b) Age _____

(c) Place of work _____

(d) Nature of work _____

(e) Address- Village/Mohalla

PO _____

Panchayat/Ward _____

P.S _____

Anchal/Block _____

District _____

2. Statement of Incurable Disease:

3. Name and Address of the treating hospital/doctor (if applicable)

4. Documents Enclosed: (The following documents shall be attached with this application)

(i) Residential certificate;

(ii) Certificate regarding nature of disease issued by government Doctor, who is treating the worker/artisans or certificate issued by State Government hospital or hospital recognised under any scheme of Centre or State Government. In which it mentioned that the applicant is suffering from a related incurable disease at the time of application.

(iii) Proof of Age:

(iv) Certificate issued by Mukhiya /Sarpanch /Member of Zila Parishad /Ward Councilor of concerned urban area specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.

(v) Self-declaration of Category by applicant(General/SC/ST);

(vi) Self attested copy of details of Bank account of applicant;

Self Declaration

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.

I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

(a)

1-

(b)

2-

3-

Signature of Claimant(s)

Strike off if not applicable

Acknowledgement

I.....W/O or H/O.....Late.....
 Vill/Mohalla..... Panchayat/Ward..... PO..... Thana.....
 Anchal/Block..... Dist..... received the application.

Siganture of receiver

*Alok Kumar,
Special Secretary to the Government of Bihar.*

असाध्य रोग अनुसूची-1

बीमारी का नाम	उपचार की प्रकृति	चिकित्सकीय सहायता की राशि
कैंसर	शल्य चिकित्सा(शल्य क्रिया के साथ)	50000
	बगैर शल्य चिकित्सा(बिना शल्य क्रिया)	30000
हृदय रोग	डी.भी.आर.(डबल भाल्ब रिप्लेसमेंट)	60000
	एम.भी.आर.(मित्राल भाल्ब रिप्लेसमेंट)	50000
	पेस मेकर	50000
	स्टेनोसिस / बैलून भालभोटोमी	30000
	सी.ए.बी.जी. (कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्ट)	50000
	पी.टी.सी.ए. परक्युटिनियस ट्रांसलुमिनियस कोरोनरी एंजियो प्लास्टी	50000
	ए .एस.डी.(एट्रियल सेप्टल डिपफेक्टस) / भी.एस.डी.	30000
	रिनल(किडनी) बीमारी	60000
ब्रेन ट्यूर	लघु शल्य क्रिया	20000
	वृहद	40000
एड्स	मेडिकल एटेंडेंट के निर्णय के अनुरूप	50000
पूर्ण कुल्हा एवं घुटना बदलना	शल्य क्रिया द्वारा	20000
वृहत् भस्कुलर शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	20000
बोन मैरो ट्रांसप्लाटेशन	शल्य क्रिया द्वारा	20000
स्पाइनल शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	15000

आलोक कुमार,
विशेष सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 66-571+5000-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>